कार्यशाला हकेंवि में तकनीकी कौशल पर कार्यशाला आयोजित

डिग्री के साथ तकनीकी कौशल भी जरूरी : प्रो. कुहाड़

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को करियर काउंसिलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में कम्यूनिकेशन स्किल पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रो. मूल चंद सभागार में किया गया। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने किया। कुलपति ने कहा कि आज के दौर में सफलता के लिए डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। इसके साथ-साथ तकनीकी कौशल फिर वह चाहे संवाद कौशल हो, भाषा ज्ञान हो या फिर कार्यक्षेत्र से जुड़ा हुआ अन्य कोई कौशल हो, सभी की अलग महत्ता है।

महेंद्रगढ़. विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

कुलपति ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे तकनीकी कौशल को गंभीरता से ले और धैर्य के साथ तकनीकी ज्ञान को भी अपनी पढ़ाई-लिखाई के साथ महत्व दें। कुलपति ने कहा कि करियर काउंसिलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से आयोजित यह कार्यशाला निश्चित ही विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद होगी और सेल भविष्य में भी विवि ऐसे आयोजन करता रहेगा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित डॉ. निधि गुप्ता ने विद्यार्थियों को तकनीकी सत्र के माध्यम से कम्यूनिकेशन स्किल की विभिन्न विधाओं का बारीकी से ज्ञान दिया और बताया कि यह किस तरह से पढ़ाई के साथ-साथ उनके बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह ने करियर काउंसिलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. एपी शर्मा, सूचना वैज्ञानिक विनीता मलिक व विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

वक्त की जरूरतों के हिसाब से खुद को तैयार करें विद्यार्थी

कम्यूनिकेशन स्किल पर आधारित कार्यशाला का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को करियर काउंसलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में कम्यूनिकेशन स्किल पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रो. मूल चंद सभागार में किया गया। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें शैक्षणिक डिग्री के साथ-साथ तकनीकी कौशल के बढ़ते महत्व से अवगत कराया।

कुलपति ने कहा कि आज के दौर में सफलता के लिए डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। इसके साथ-साथ तकनीकी कौशल फिर वह चाहे संवाद कौशल हो, भाषा ज्ञान हो या फिर कार्यक्षेत्र से जुड़ा हुआ अन्य कोई कौशल हो, सभी की अपनी अलग महत्ता है। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे तकनीकि कौशल को गंभीरता से लें और धैर्य के साथ तकनीकी ज्ञान को भी अपनी पढ़ाई-लिखाई के साथ महत्व दें।

कार्यशाला को संबोधित करते वीसी प्रो. आरसी कुहाड ● जागरण

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि वे विद्यार्थियों से अक्सर कहते हैं कि हर विषय की अपनी एक अलग भाषा होती है और उस भाषा को समझकर जो विद्यार्थी अध्ययन करता है, वह अवश्य ही सफलता प्राप्त करता है। अब समय आ गया है कि विद्यार्थी नियमित होकर मौजूदा वक्त की जरूरतों के हिसाब से खुद को तैयार करें और डिग्री के साथ-साथ कौशल को महत्व दें।

कुलपति ने विद्यार्थियों को समझाया कि केवल पढ़ा-लिखा होना ही अच्छे नागरिक की निशानी नहीं है, इसके लिए सामाजिक कौशल में निपुण होना भी आवश्यक है। करियर काउंसलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से आयोजित यह कार्यशाला निश्चित ही विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद होगी और सेल भविष्य में भी विश्वविद्यालय ऐसे आयोजन करता रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित डा. निधि गुप्ता ने विद्यार्थियों को तकनीकी सत्र के माध्यम से कम्यूनिकेशन स्किल की विभिन्न विधाओं के बारे मे बताया और बताया कि यह किस तरह उनके बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, करियर काउंसलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डा. एपी शर्मा, सूचना वैज्ञानिक विनीता मलिक व विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

डिग्री के साथ तकनीकी कौशल भी जरूरी : प्रो. कुहाड़

महेंद्रगढ़, 26 सितम्बर (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.) में मंगलवार को करियर काऊंसिलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के तत्वावधान में कम्युनिकेशन स्किल पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रो. मूल चंद सभागार में किया गया।

इस कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें शैक्षणिक डिग्री के साथ-साथ तकनीकी कौशल के बढ़ते महत्व से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सफलता के लिए डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। इसके साथ-साथ तकनीकी कौशल फिर वह चाहे संवाद कौशल हो, भाषा ज्ञान हो या फिर कार्यक्षेत्र से जुड़ा हुआ अन्य कोई कौशल हो, सभी की अपनी अलग महत्ता है।

कुलपति ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे तकनीकी कौशल को गंभीरता से लें और धैर्य के साथ तकनीकी ज्ञान को भी अपनी पढ़ाई-लिखाई के साथ महत्व दें। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि मैं विद्यार्थियों से अक्सर कहता हूं कि हर विषय की अपनी एक अलग भाषा होती है और उस भाषा का समझकर जो विद्यार्थी अध्ययन करता है वह अवश्य ही सफलता प्राप्त करता है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित डा. निधि गुप्ता ने विद्यार्थियों को तकनीकी सत्र के माध्यम से कम्युनिकेशन स्किल की विभिन्न विधाओं का बारीकी से ज्ञान दिया और बताया कि यह किस तरह से पढ़ाई के साथ-साथ उनके बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह ने करियर काऊंसिलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के डा. ए.पी. शर्मा, सूचना वैज्ञानिक विनीता मलिक व विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में कम्युनिकेशन स्किल पर कार्यशाला

नारनौल, 26 सितंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में आज करियर काउंसलिंग ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में कम्युनिकेशन स्किल पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रो. मूल चंद सभागार में किया गया।

इस कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक डिग्री के साथ-साथ तकनीकी कौशल के बढ़ते महत्व से अवगत कराया।

उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे तकनीकी कौशल को गंभीरता से लें और धैर्य के साथ तकनीकी ज्ञान को भी अपनी पढ़ाई-लिखाई के साथ महत्व दें। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित डा. निधि गुप्ता ने विद्यार्थियों को तकनीकी सत्र के माध्यम से कम्युनिकेशन स्किल की विभिन्न विधाओं का बारीकी से ज्ञान दिया।